अष्टदशी (फोल्डर नं. ९२०४९)

सम्पादक – श्री भूपराज जैन – आदि मण्डल

मुख्य टाइटल

सम्पादकीय

संयोजकीय

अनुक्रमणिका

पूर्व एवं वर्तमान कार्यकारिणी ---------- १

ईतिहास कथा भूपराज जैन ---------- ८

Shree Jain Vidyalaya Heading Towards par Excellence B,C. kankaria ---------- 52

श्री जैन बुक बैंक सुभाष बच्छावत ---------- ५३

Down the Memory Lane Goutam Kumar Bose ---------- ५४

श्री जैन शिल्प शिक्षा केन्द्र के बढते चरण अशोक बच्छावत ---------- ५५

Shree Jain Shilpa Shiksha Kendra Geetika Bothra ---------- 56

धर्म सभा-धनराज अब्भाणी ---------- ५६

स्वाध्याय भवन (समता भवन) का निर्माण-केवलचंद कांकरिया ---------- ५७

शिक्षा सेवा और साधना-रिधकरण बोथरा ---------- ५८

शुभाशंसा-रिखबदास भंसाली ---------- ५९

Glorious Eight Deacades A Memorable Journey- Vinod Minni ---------- 59

बिना किसी भेद भाव के सेवा में अग्रणी-बच्छराज अभाणी ---------- ६०

गति जीवन विश्राम मौत हैं-पन्नालाल कोचर ---------- ६१

शुभाशंसा-फागमन अभानी ---------- ६१

सेवा शिक्षा और साधना की अनवरत जलती मशाल-जयचन्दलाल मिन्नी ---------- ६२

शुभाशंसा-भँवरलाल दस्साणी ---------- ६३

महानगर की प्रथम अग्रणी जैन संस्था-पारसमल भूरट ---------- ६३

लोक कल्याण की यह मशाल जलती रहे-महेन्द्र कर्णावट ---------- ६३

शुभाशंसा-किशनलाल बोथरा ---------- ६३

From The Desk of Ashok Minni-Ashok Minni ---------- 64

हकीकत-सुरेन्द्र सुराणा सूरु ---------- ६४

Decades old Association With Shree Jain Vidyalaya & S.S Jain Sabha-Arun Kumar Tiwari ---------- 65

सेवा कार्य में अग्रणी-चांदमल अभाणी ---------- ६६

सभा के नित नये बढते चरण-अशोक बोथरा ---------- ६६

अमृत महोत्सव-मोहनलाल भंसाली ---------- ६७

आभार-चन्द्रप्रकाश डागा ---------- ६७

शुभाशंसा-पानमल मालू ---------- ६८

जैन सभा कोलकाता के अष्ट स्वर्णिम दशक-केशरीचन्द सेठिया ---------- ६९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

शुभकामनायें-पुखराज बोथरा ---------- ७०
विकासोन्मुख श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा कोलकाता-धनराज बेताला ---------- ७०
श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सभा : एक बहुआयामी संस्था-जिनेन्द्रकुमार जैन ---------- ७१
शिक्षा सेवा और साधना के आठ दशक-बनेचन्द मालू ---------- ७२
Shree S. S. Jain Sabha ; A model-K.P. Verma ---------- 73
आपणां सूँ आपणी बाता-पुखराज बेताला ---------- ७४
एक प्राणवान-ऊर्जावान संस्था श्री जैन सभा-चम्पालाल डागा ---------- ७५
शुभाशंसा-डॉ. महेन्द्र भानावत ---------- ७५
सेवा का पर्याय श्री जैन सभा-रतनलाल सुराना ---------- ७६
शानदार आठ दशक-पानादेवी सेठिया ---------- ७७
असहायों के प्रति समर्पित-हिम्मतसिंह डूंगरवाल ---------- ७८
कल्याणकारी संस्था-अबीरचन्द सेठिया ---------- ७९
सभा के बढते कदम-अभयराज सेठिया ---------- ७९
शुभकामनायें ---------- ८०

विद्वत खण्ड

समाज विकास में समता दर्शन की भूमिका-सज्जनसिंह मेहता साथी ---------- ८३
लोक-लोक में मीरा की खोज-डॉ कहानी मानावत ---------- ८६
शिक्षा शिक्षक एवं शिक्षण-डॉ कहानी मानावत ---------- ८८
जैन आगमों में मूल्यात्मक शिक्षा और वर्तमान सन्दर्भ-प्रो सागरमल जैन ---------- ९०
महावीर का महावीरत्व-ओमकारश्री ---------- ९७
शिक्षा का समाज में स्थान-श्यामसुन्दर केजडीवाल ---------- ९९
जैनत्व हो तो अलबर्ट आईंस्टीन जैसा-ओमकारश्री ---------- १००
युग की चुनौतियाँ और नारी शक्ति-प्रतिभा गेहलोत ---------- १०२
अजन्मी मां की गुहार-मेघराज श्रीमाली ---------- १०३
जैन गणित का गणितसास्त्र में योगदान-ऋषभकुमार मुरडिया ---------- १०४
व्यसन मुक्त समाज-निर्माण की दिशा में-कन्हैयालाल भूरा ---------- १०६
नारी सशक्तिकरण महज एक नारा नहीं हैं-श्रीमती रतना ओसतवाल ---------- १०९
शिक्षा का वर्तमान स्वरुप-डॉ सुरेश सिसोदिया ---------- १११
आदिम महाविस्फोट (बिंग बैंग)-अभयकुमार पांडे ---------- ११४
होम्योपैथी मानव के लिए वरदान-डॉ पारस जैन ---------- ११६
हिन्दुओं में जातिगत भेदभाव एवं धर्मान्तरण-किशोर जेवरिया ---------- ११७
जैन संस्थाओं की दशा और दिशा-नेमिचन्द सुराणा ---------- ११९
वर्तमान शिक्षा दशा और दिशा-नंदलाल बंसल ---------- १२१
शिक्षा द्वारा राष्ट्र विकास संभव हैं-कन्हैयालाल बोथरा ---------- १२४
जीवन के परिवेश में परिवर्तन और शिक्षा-सागलमल जैन बीजावत ---------- १२७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

नारी शक्ति के बढते चरण-गायत्री कल्याण कांकरिया ---------- १३०
शिक्षा दशा और दिशा-शरदचन्द्र पाठक ----------१३१
पहले हम आर्यावर्तिय फिर भारतीय फिर हिन्दुस्तानी और फिर ईंडियन-अर्जुनलाल नरेला----- १३३
नर-लोक से किन्नर-लोक तक-जतनलाल रामपुरिया ---------- १३५
शिक्षक की नैतिक जवाबदेही-डाँ कुसुम चतुर्वेदी ---------- १३९
आधुनिक युग में जैन पत्रकारिता एवं उसका योगदान-प्रकाश मानव ---------- १४२
भगवान का ईंटरव्यू-बनेचन्द मालू---------- १४४
होम्योपैथिक चिकित्सा सर्वसुलभ व अहानिकारक हैं-डाँ. सम्पत्तकुमार जैन---------- १४६
पशु बनाम आदमी-बनेचन्द मालू---------- १४८
शिक्षा के सामाजिक तथा नैतिक सरोकार-हिम्मतसिंह डूंगरवाल---------- १४९
सरस्वती की गोद में बसी मरु संस्कृति-जानकी नारायण श्रीमाली---------- १५०
तम्हा विणयमेसेज्जा-डाँ दलपतसिंह बया श्रेयस ---------- १५२
कषाय समीक्षण-शान्तिलाल जारोली ----------१५४
भारत की प्राचीन समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा-अशोक चण्डालिया----------१५७
शिक्षा लोक और अभिजन की तकरार-नंद चतुर्वेदी ---------- १५९
पर्दा घूंघट एक विवेचन-बाबूलाल माली विषपायी---------- १६२
लोक कल्याण ही श्रेष्ठ यज्ञ---------- १६४
Then and Now-Bhavani Shankar Singh---------- 168
जीवन का सफर-बनेचन्द मालू---------- १६९
एक कालजयी स्तोत्र भक्तामर स्तोत्र-विपिन जारोली ---------- १७१
हिन्दी पत्रकारिता कल और आज-डाँ वसुंधरा मिश्र ----------१७४
महात्मा गांधी का शिक्षा-दर्शन-डाँ विजय कुमार ----------१७७
जैन शिक्षा-पद्धति-डाँ शारद सिंह----------१८१
बाँका राजस्थान-डाँ ईन्दरराज बैद ----------१८५
बाहर के आकार बताते विचार-आचार्य ज्ञान मुनि ---------- १८६
अष्टछाप की कविता यानी भक्ति काव्य एवं संगीत की त्रिवेणी-डाँ प्रेमशंकर त्रिपाठी---------- १९३
आदमी नहीं था- बनेचन्द मालू ----------१९७
कायोत्सर्ग ध्यान की पूर्णता-कन्हैयालाल लोढा---------- १९८
ओम की साधना-संकलन रिधकरण बोथरा----------२०२
अहिंसा दिवस मनायें-रिखबचन्द जैन----------२०३
आज के अशान्त युग में महावीर-वाणी की उपादेयता-दुलीचन्द जैन ----------२०७
जपयोग की विलक्षण शक्ति-उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म.----------२११
यशस्तिलकचम्पू में ध्यान का विश्लेषण-डाँ छगनलाल शास्त्री---------- २१८
स्वाध्याय का महत्व-हेमन्तकुमार सिंगी ----------२२३
अर्द्धमागधी आगम-साहित्य में अस्तिकाय-डाँ धर्मचन्द जैन----------२२६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

धर्म का सही स्वरुप-कंचन कांकरिया---------- २३१
वर्तमान सन्दर्भ में महावीर क शिक्षाएँ-डॉ सुधा जैन----------२३२
प्रणति समर्पित-दुर्गाप्रसाद जोशी----------२३४
जैन दर्म में नारी-डॉ ईन्दरचन्द बैद ---------- २३५
शिक्षक दिवस-सौजन्य अखण्ड ज्योति---------- २३७
सेवा-संस्कार और हमारा दायित्व-गौतम पारख ----------२३८
आधुनिक जीवन में साधना की अनिवार्यता-डॉ वसुमति डागा---------- २४१
The Value of Eduction-S.R. Singhvi---------- 245
अन्तर्राष्टीय ख्यातिप्राप्त डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी----------२४६
बहुआयामी व्युक्तित्व के धनी श्री दीपचंद नाहटा ---------- २४७
सेवा सहयोग एवं उदारता की प्रतिमूर्ति श्री श्रीचन्द नाहटा----------२४९
कमलवत निर्लिप्त निस्पृह श्री पदमचन्द नाहटा---------- २५०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org